News सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-178
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
हम केवल दुनिया में केवल तभी सम्मान पा सकते हैं अगर हम आंतरिक रूप से मजबूत हैं।

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
बिहार, गुरुवार, 03 अक्टूबर 2024

पंकज यादव के सीने में लगी गोली

बिहार के मुंगेर में आरजेडी प्रदेश महासचिव पर जानलेवा हमला

मुंगेर: बिहार के मुंगेर जिले में आरजेडी नेता पंकज यादव पर जानलेवा हमला हुआ है। राजद के प्रदेश महासचिव पंकज यादव को गोली उस समय मारी गई जब वह रोज की तरह हवाई अड्डा मैदान में मॉर्निंग वॉक कर रहे थे। तभी घात लगाए अपराधियों ने उन पर फायरिंग कर दी। अपराधियों ने पंकज यादव को तीन गोली मारी।

इनमें से एक गोली उनके सीने में लगी है। इलाज के लिए उन्हें निजी नर्सिंग होम में भर्ती करवाया गया है।

वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार

जानकारी के अनुसार, अपराधियों ने आरजेडी नेता पर तीन गोली चलाई जिसमें से एक उनको छू कर निकली तो दूसरी उनके सीने में जा लगी। गोली मारने के बाद अपराधी वहां से फरार हो गए। वहीं मैदान में उनके साथ टहल रहे अन्य लोगों ने उन्हें तुरंत एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया। डॉक्टरों ने उनके सीने से गोली निकाल दी है। फिलहाल वे खतरे से बाहर हैं।

डीएमपी ने दी ये जानकारी

सूचने मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचे सदर डीएसपी राजेश कुमार ने बताया कि घटना को ले कुछ लोगों का नाम सामने आया है।

आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। आरोपियों में एक मिट्ठू यादव का भी नाम सामने आया है जो अपराधी सावन यादव का बहनोई है। वहीं राजद नेताओं ने इस घटना को लेकर बिहार सरकार पर निशाना साधा है।

परिजनों ने बताया किसने मारी गोली

घायल के पिता और प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि आज सुबह जब पंकज मॉर्निंग वॉकिंग कर रहे थे तो दो बाइक सवार जिसमें एक मिट्ठू यादव और नमन यादव ने पंकज यादव को निशाना बना तीन गोली चलाई और जब शोर हुआ तो फायरिंग करते वह भाग निकले।

मिट्ठू यादव के अन्य साथी पहले से रेकी कर रहे थे। साथ ही बताया कि मिट्ठू यादव कल भी उसके घर आया था और किसी केस में पंकज यादव से पुलिस ने पैरवी करने को कह रहा था जिसे पंकज ने मना कर दिया था।

फिलहाल पुलिस पीड़ित परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी जल्द ही पकड़े जाएंगे।

दशहरे तक बरसेंगे बादल

मौसम विभाग ने बिहार में भीषण गर्मी के दिए संकेत

पटना। बिहार में अभी भी बारिश का दौर जारी रहने वाला है. हालांकि इस बीच तापमान में कोई कमी नहीं आने वाली है. मौसम विभाग ने बताया है कि अक्टूबर में बारिश सामान्य से 30 से 40 फीसदी अधिक होने की उम्मीद है और तापमान 29 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है. हालांकि सूबे में मानसून के कमजोर होने से अधिकांश इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है. वहीं दक्षिण पूर्व बिहार के कुछ जिलों में मौसम साफ रहने वाला है.

मौसम विभाग ने बताया कि अक्टूबर में गर्मी भी अधिक पड़ सकती है. मौसम विभाग ने बताया है कि अक्टूबर में 30 से 40 प्रतिशत अधिक बारिश होने की संभावना है. यानी कि इस साल दशहरा के दौरान भी कई जिलों में बारिश हो सकती है, जिससे मेले में खलल पड़ सकती है. मौसम विज्ञान केंद्र पटना के मुताबिक बिहार के आसपास फिलहाल कोई मौसमी सिस्टम एक्टिव नहीं है. उत्तर पूर्व असम के ऊपर एक चक्रवातीय परिसंचरण बना हुआ है. लेकिन इसका असर बिहार पर नहीं पड़ेगा. इस वजह से मानसून कमजोर बना रहेगा. लेकिन अधिकतर जिलों में हल्की बारिश हो सकती है.

बीते बुधवार को राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई. सबसे अधिक बारिश राजधानी पटना के अथमलगोला में हुई, जहां 19.6 मिमी बारिश दर्ज की गई. इसके अलावा गया में 9.8, नालंदा में 8.2, जमुई में 4.4, लखीसराय में 4.4, किशनगंज में 4.2, बांका में 3, औरंगाबाद में 2.4, भोजपुर में 1.6, वैशाली में 1.02, शेखपुरा में 1, बक्सर में 1, मुंगेर में 0.5 और कटिहार में 0.5 मिमी बारिश दर्ज की गई. पटना और लखीसराय में बुधवार दोपहर बाद भी हल्की बारिश हुई.

वेंटिलेशन से भाग गया कैदी

दो सिपाहियों के खिलाफ जांच

पटना। पटना में कंकड़बाग टैम्पो स्टैंड इलाके में चाकू से चाय दुकानदार पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपित शिवा के पुलिस हिरासत से फरार होने की घटना प्रकाश में आई है। आरोपित को चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया था। साथ गए सिपाहियों को चकमा दे शिवा शौच के बहाने अस्पताल स्थित शौचालय के वेंटिलेशन से भाग गया। इस मामले में पुलिस दो सिपाहियों की लापरवाही की जांच कर रही है। कंकड़बाग थानेदार नीरज कुमार ठाकुर ने बताया कि घटना बीते सोमवार की है। 21 सितंबर को चाय देने में देरी करने पर शिवा ने चाय दुकानदार अजय शाह के साथ गाली-गलौज की थी। विरोध करने पर उसने बांस काटने वाले चाकू से दुकानदार पर हमला कर दिया था और फरार हो गया था।

चाकू से दुकानदार की गर्दन से गहरा जख्म आया था। बाद में लोगों ने घायल अजय को अस्पताल में भर्ती कराया था। कंकड़बाग पुलिस आरोपित के खिलाफ हत्या का प्रयास की धारा में मुकदमा दर्ज आरोपित की तलाश कर रही थी। पुलिसकर्मियों ने इलाके से आरोपित शिवा को गिरफ्तार कर लिया था। सोमवार को अदालत में पेशी से पूर्व दो सिपाही शिवा को मेडिकल के लिए कंकड़बाग स्थित एक अस्पताल में ले गए थे।

वहां आरोपित ने सिपाहियों को शौच जाने की इच्छा जताई। सिपाहियों ने हथकड़ी खोल उसे शौचालय के अंदर भेज दिया और बाहर उसका इंतजार करने लगे। काफी देर बाद भी शिवा बाहर नहीं आया। दरवाजा खोलकर अंदर गए तो आरोपित को वहां ना पाकर भौचक रह गए। शिवा वेंटिलेशन से कूदकर भाग गया था।

धड़ फेंक गया और युवक का सिर क्यों साथ ले गया हत्यारा, बिहार में सिरकटी लाश से हड़कंप

बिहार में सड़क पर सिरकटी लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। गुरूवार की सुबह अररिया जिले में फारबिसगंज हाईवे स्थित बरार ढाबा से आगे एनएच किनारे एक 20 वर्षीय युवक की सिरकटी लाश मिली है।

पुलिस को आशंका है कि साक्ष्य को छिपाने के लिए बदमाश युवक का सिर अपने साथ लेकर चले गए या दूसरी जगह फेंका दिया है। सूचना पर पहुंची फारबिसगंज पुलिस सिरकटी लाश को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त में जुट गई है। घटनास्थल पर मौजूद सब इंस्पेक्टर लक्ष्मण राम ने बताया कि आशंका है कि हत्या कर बदमाश युवक की सिर को साथ ले गया है। लाश की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

इधर भीषण बारिश के बावजूद सिर कटा लाश की सूचना पूरे इलाके में जंगल में लगी आग की तरह फैल गई। इसके बाद ग्रामीण इलाकों से लोगों का आना-जाना बदस्तूर जारी है। हालांकि समाचार मिलने तक लाश की शिनाख्त नहीं हो पाई है और जितनी मुंह उतनी बातें कहीं जा रही है । बताया जा रहा है कि हत्यारा आक्रोशित होकर युवक की हत्या कर गर्दन से सिर काटकर अपने साथ ले गया तो वहीं कुछ लोग पहचान को छुपाने की मंशा से सिर काटकर साथ ले जाने की बात कह रहे हैं।

इस संबंध में एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने बताया कि बरार ढाबा से आगे फोरलेन किनारे मिले सिर कटी लाश की शिनाख्त नहीं हो पाई है। एफएसएल की टीम को बुलाई गई है । पुलिस गंभीरता से मामले की जांच में जुट गई है तथा विभिन्न पहलुओं पर जांच की जा रही है।

बाढ़ पीड़ितों से मिलने पहुंचे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, सीओ से कहा- इस चीज से वह संतुष्ट नहीं

दरभंगा के बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल दरभंगा जिले के गोड़ाबोराम और किरतपुर प्रखंड के बाढ़ पीड़ित इलाको का दौड़ा किया और बाढ़ पीड़ितों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है।

उपमुख्यमंत्री ने किरतपुर के सीओ को कहा कि बाढ़ पीड़ितों को किये जा रहे मदद से वह सन्तुष्ट नहीं हैं। बाढ़ राहत कार्य और अच्छे तरीके किया जाय। किसी तरह की कोई दिक्कत न हो। शिकायत आने पर कार्रवाई होगी।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने इलाके का दौड़ा किया। इधर, जिला प्रशासन के द्वारा बाढ़ पीड़ितों के हरसंभव मदद किया जाने का दावा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर सूखे फूड पैकेट का बाढ़ पीड़ितों के बीच वितरण किया गया था।

इससे पहले चिराग और पप्पू यादव आए थे

बता दें कि कोसी नदी के जमालपुर के भूभौल गांव में तटबंध टूटने से इलाके हड़कम्प मच गया था। इसके बाद सभी बाढ़ पीड़ितों ने बांध पर शरण लेकर खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। बाढ़ पीड़ितों की मदद को लेकर राजनीति भी तेज हो गई। इसी कड़ी में सबसे पहले पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने किरतपुर प्रखंड के जमालपुर गांव में बुलेट से घूम-घूमकर पीड़ितों को नगद रुपये देकर मदद की थी। उसके बाद मंगलवार की शाम केंद्रीय खाद्य एवं प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान ने भी दरभंगा के किरतपुर प्रखंड का दौड़ा किया था।

मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

मरीजों को मुफ्त दवा बांटने में पूरे देश में बिहार ने किया टॉप

पटना। बिहार में हेल्थ सर्विस को लेकर लगातार सवाल उठता रहता है. मरीजों के इलाज से लेकर दवा आपूर्ति तक में लापरवाही के मामले सामने आते रहते हैं. इस बीच एक आंकड़े के मुताबिक बिहार 24 राज्यों में पहले नंबर पर है, जहां सरकारी अस्पतालों और अलग-अलग स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा मुफ्त दवाएं मरीजों में बांटी जाती हैं. बिहार को केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की दवा और वैक्सीन वितरण प्रबंधन प्रणाली (डीवीडीएमएस) को सफल बनाने के लिए मान्यता मिली है.

मरीजों को आवश्यक दवा वितरण, आपूर्ति और उपयोग में 77.22 फीसदी अंक के साथ बिहार पहले नंबर पर रहा, वहीं 76.91 फीसदी अंक के साथ राजस्थान दूसरे नंबर पर और 69.14 फीसदी के साथ तेलंगाना तीसरे स्थान पर रहा. केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सितंबर की मासिक रैंकिंग जारी की है. बता दें कि मंत्रालय द्वारा देश के 24 राज्यों में ड्रग एंड वैक्सीन डिस्ट्रिब्यूशन मैनेजमेंट सिस्टम संचालित है.

बता दें कि साल 2005 में सीएम नीतीश कुमार ने अस्पतालों में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार की शुरुआत की थी. साल 2006 में नीतीश सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन अपनाया. इसके तहत मुफ्त दवा वितरण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पतालों और उप केंद्रों पर शुरू की गई थी. साल 2011 में केंद्र सरकार की सिफारिश के बाद बिहार ने सरकारी अस्पतालों में अधिक दवा मुफ्त वितरण की योजना शुरू की थी. बिहार में आवश्यक दवाओं की लिस्ट में अभी कुल 611 दवाएं शामिल हैं. साल 2014 में राज्य के सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवा की उपलब्धता और बढ़ाई गई.

स्वास्थ्य विभाग ने बुधवार को कहा, 'डीवीडीएमएस के तहत राज्यों की रैंकिंग 11 मापदंडों पर तय की जाती है, जिसमें डीवीडीएमएस कवरेज और उपयोग, स्टॉक आउट, समाप्त मात्रा अनुपात जिसमें टूटना / हानि / बर्बादी, दवा आपूर्ति में औसत देरी और विक्रेता को भुगतान जारी करना शामिल है, और बिहार ने 11 मापदंडों के आधार पर पहला स्थान हासिल किया है.' पत्र में कहा गया है कि दवाएं राज्य भर के जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं.